SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

वह वाक्य जो देहधारी हुआ — स्ट्रॉन्ग्स नंबरों के साथ एक बाइबल अध्ययन

प्रतिज्ञा की गई, फिर देहधारी हुआ — दुःख भोगने वाला सेवक, इम्मानुएल, कुँवारी, वचन

मौलिक बाइबिल सिद्धांत — यीशु मसीह का सुसमाचार

उद्घाटन शब्द

> *यह अध्ययन एक ही प्रश्न पूछता है: यीशु कौन है? यह भाग प्रतिज्ञाओं का अनुसरण करता है। एक सेवक जो तिरस्कृत और अस्वीकृत किया गया, जो क्रूस से बहुत पहले लिखा गया। एक कुँवारी जो एक पुत्र को जन्म देगी जिसका नाम इम्मानुएल, अर्थात परमेश्वर हमारे साथ, रखा जाएगा। एक बीज जो बाटिका में स्त्री को प्रतिज्ञा किया गया। फिर वह वचन जो देह बना, जिसे सुना, देखा और स्पर्श किया गया। पहले प्रतिज्ञाएं आई। फिर वह व्यक्ति आया। यह भाग दोनों को बाइबल के अपने शब्दों में पढ़ता है।*

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. यशायाह 53 में भविष्यद्वक्ता किसके बारे में बात कर रहा है, वह दुःखी पुरुष?
2. प्रभु ने स्वयं कौन सा चिन्ह देने की प्रतिज्ञा की, और इम्मानुएल नाम का क्या अर्थ है?
3. यीशु ने स्वयं कहा कि व्यक्ति को उसे पाने के लिए कहाँ देखना चाहिए?

खुलने वाला लंगर

E4. **मीका 5:2** हे बैतलहम एप्राता, यदि तू ऐसा छोटा है कि यहूदा के हजारों में गिना नहीं जाता, तो भी तुझ में से मेरे लिये एक पुरुष निकलेगा, जो इस्राएलियों में प्रभुता करनेवाला होगा; और उसका निकलना प्राचीनकाल से, वरन् अनादिकाल से होता आया है। (मत्ती 2:6, यूह. 7:42)

तुझ में से वह उत्पन्न होगा जो इस्राएल में हाकिम होगा --> जिसका निर्गमन प्राचीनकाल से, वरन अनादिकाल से होता आया है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: मीका 5:2 का एक वाक्य इस पूरे अध्ययन के दोनों छोर थामे हुए है। यह शासक एक छोटे नगर में से निकलता है। एक छोटे नगर में से निकलना एक आरंभ है, ऐसे स्थान पर जहाँ कोई व्यक्ति चलकर पहुँच सकता है। इस शासक के निकलने प्राचीन काल से, अनादि काल से हैं। अनादि काल से निकलना कोई आरंभ ही नहीं है। मीका दोनों सत्यों को एक ही वाक्य में बताता है। मीका इनमें से किसी भी सत्य को नरम नहीं करता।)

D. दुःख उठानेवाला सेवक — वह अध्याय जो क्रूसों के होने से पहले क्रूस का वर्णन करता है

D1. **यशायाह 52:13** देखो, मेरा दास बुद्धि से काम करेगा, वह ऊँचा, महान और अति महान हो जाएगा। (यिर्म. 23:5) (14) जैसे बहुत से लोग उसे देखकर चकित हुए (क्योंकि उसका रूप यहाँ तक बिगड़ा हुआ था कि मनुष्य का सा न जान पड़ता था और उसकी सुन्दरता भी आदमियों की सी न रह गई थी), (भज. 22:6,7, यशा. 53:2,3) (15) वैसे ही वह बहुत सी जातियों को पवित्र करेगा और उसको देखकर राजा शान्त रहेंगे; क्योंकि वे ऐसी बात देखेंगे जिसका वर्णन उनके सुनने में भी नहीं आया, और ऐसी बात उनकी समझ में आएगी जो उन्होंने अभी तक सुनी भी न थी। (रोम. 15:21, 1 कुरि. 2:9)

उसका रूप ऐसा बिगड़ गया था कि किसी मनुष्य से अधिक --> इसी प्रकार वह बहुत सी जातियों पर छिड़काव करेगा।

D2. **यशायाह 53:1** जो समाचार हमें दिया गया, उसका किसने विश्वास किया? और यहोवा का भुजबल किस पर प्रगट हुआ? (यूह. 12:38, रोम. 10:16) (2) क्योंकि वह उसके सामने अंकुर के समान, और ऐसी जड़ के समान उगा जो निर्जल भूमि में फूट निकले; उसकी न तो कुछ सुन्दरता थी कि हम उसको देखते, और न उसका रूप ही हमें ऐसा दिखाई पड़ा कि हम उसको चाहते। (मत्ती 2:23)

जो समाचार हमें दिया गया? --> और न उसका रूप ही हमें ऐसा दिखाई पड़ा कि हम उसको चाहते। (मत्ती 2:23.

D3. **यशायाह 53:3** वह तुच्छ जाना जाता और मनुष्यों का त्यागा हुआ था; वह दुःखी पुरुष था, रोग से उसकी जान-पहचान थी; और लोग उससे मुख फेर लेते थे। वह तुच्छ जाना गया, और, हमने उसका मूल्य न जाना। (मर. 9:12)

वह दुखों का पुरुष था और शोक से परिचित था --> वह तुच्छ जाना गया, और हमने उसे कुछ न समझा।

D4. **यशायाह 53:4** निश्चय उसने हमारे रोगों को सह लिया और हमारे ही दुःखों को उठा लिया; तो भी हमने उसे परमेश्वर का मारा-कूटा और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझा। (मत्ती 8:17, 1 पत. 2:24) (5) परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के कारण कुचला गया; हमारी ही शान्ति के लिये उस पर ताड़ना पड़ी कि उसके कोड़े खाने से हम लोग चंगे हो जाएँ। (रोम. 4:25, 1 पत. 2:24)

वह हमारे अपराधों के कारण घायल किया गया + हमारे अधर्म के कारण कुचला गया --> उसके कोड़ों से हम चंगे हुए।

D5. **यशायाह 53:6** हम तो सब के सब भेड़ों के समान भटक गए थे; हम में से हर एक ने अपना-अपना मार्ग लिया; और यहोवा ने हम सभी के अधर्म का बोझ उसी पर लाद दिया। (प्रेरि. 10:43, 1 पत. 2:25)

हम तो सब के सब भेड़ों के समान भटक गए थे --> और यहोवा ने हम सभी के अधर्म का बोझ उसी पर लाद दिया। (प्रेरि. 10:43, 1 पत. 2:25.

D6. **यशायाह 53:7** वह सताया गया, तो भी वह सहता रहा और अपना मुँह न खोला; जिस प्रकार भेड़ वध होने के समय और भेड़ी ऊन कतरने के समय चुपचाप शान्त रहती है, वैसे ही उसने भी अपना मुँह न खोला। (यूह. 1:29, मत्ती 27:12,14, मर. 15:4,5, 1 कुरि. 5:7, प्रका. 5:6,12)

वह मेम्ने के समान वध होने को लाया गया --> उसने अपना मुँह नहीं खोला।

D7. **यशायाह 53:8** अत्याचार करके और दोष लगाकर वे उसे ले गए; उस समय के लोगों में से किसने इस पर ध्यान दिया कि वह जीवितों के बीच में से उठा लिया गया? मेरे ही लोगों के अपराधों के कारण उस पर मार पड़ी। (प्रेरि. 8:32,33)

वह जीवतों की भूमि में से काट डाला गया --> मेरी प्रजा के अपराध के कारण उस पर मार पड़ी।

D8. **यशायाह 53:9** उसकी कब्र भी दुष्टों के संग ठहराई गई, और मृत्यु के समय वह धनवान का संगी हुआ, यद्यपि उसने किसी प्रकार का उपद्रव न किया था और उसके मुँह से कभी छल की बात नहीं निकली थी। (1 कुरि. 15:3, 1 पत. 2:22, 1 यूह. 3:5, यूह. 19:38-42)

उसने अपनी कब्र दुष्टों के साथ बनाई + अपनी मृत्यु में धनवानों के साथ रहा --> उसने कोई उपद्रव नहीं किया था।

D9. **यशायाह 53:10** तो भी यहोवा को यही भाया कि उसे कुचले; उसी ने उसको रोगी कर दिया; जब वह अपना प्राण दोषबलि करे, तब वह अपना वंश देखने पाएगा, वह बहुत दिन जीवित रहेगा; उसके हाथ से यहोवा की इच्छा पूरी हो जाएगी।

जब वह अपना प्राण दोषबलि करे --> तब वह अपना वंश देखने पाएगा, वह बहुत दिन जीवित रहेगा.

D10. **यशायाह 53:11** वह अपने प्राणों का दुःख उठाकर उसे देखेगा और तृप्त होगा; अपने ज्ञान के द्वारा मेरा धर्मी दास बहुतेरों को धर्मी ठहराएगा; और उनके अधर्म के कामों का बोझ आप उठा लेगा। (रोम. 5:19) (12) इस कारण मैं उसे महान लोगों के संग भाग दूँगा, और, वह सामर्थियों के संग लूट बाँट लेगा; क्योंकि उसने अपना प्राण मृत्यु के लिये उण्डेल दिया, वह अपराधियों के संग गिना गया, तो भी उसने बहुतों के पाप का बोझ उठा लिया, और, अपराधी के लिये विनती करता है। (मत्ती 27:38, मर. 15:27, लूका 22:37, इब्रा. 9:28)

उसने अपना प्राण मृत्यु के लिये उण्डेल दिया + वह अपराधियों के साथ गिना गया --> उसने बहुतों के पाप को उठाया, और अपराधियों के लिये विनती की।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यशायाह 53:9 पढ़ें और फिर क्रम से यशायाह 53:10 भी पढ़ें। यशायाह 53:9 कहता है कि सेवक मर चुका था और एक धनी व्यक्ति की कब्र में दफनाया गया था। यशायाह 53:10 कहता है कि सेवक के प्राण को पाप-बलि बनाए जाने के बाद, सेवक अपना वंश देखेगा और अपने दिनों को लंबा करेगा। ये दोनों बातें उस व्यक्ति के बारे में सच नहीं हो सकतीं जो मरा ही रह जाए। पुनरुत्थान यशायाह के इस अध्याय में लिखा हुआ है। पुनरुत्थान होने से सात सौ वर्ष पहले ही यह इस अध्याय में लिखा जा चुका था।)

अलग दृष्टिकोण, एक ही दृश्य — भविष्यवक्ता का पन्ना, और एक रथ में बैठा व्यक्ति उसे ऊँची आवाज़ में पढ़ रहा है

प्रेरितों के काम 8:32 पवित्रशास्त्र का जो अध्याय वह पढ़ रहा था, वह यह था: “वह भेड़ के समान वध होने को पहुँचाया गया, और जैसा मेम्ना अपने ऊन कतरनेवालों के सामने चुपचाप रहता है, वैसे ही उसने भी अपना मुँह न खोला, (33) उसकी दीनता में उसका न्याय होने नहीं पाया, और उसके समय के लोगों का वर्णन कौन करेगा? क्योंकि पृथ्वी से उसका प्राण उठा लिया जाता है।” (यशा. 53:7,8) (34) इस पर खोजे ने फिलिप्पुस से पूछा, “मैं तुझ से विनती करता हूँ, यह बता कि भविष्यद्वक्ता यह किसके विषय में कहता है, अपने या किसी दूसरे के विषय में?” (35) तब फिलिप्पुस ने अपना मुँह खोला, और इसी शास्त्र से आरम्भ करके उसे यीशु का सुसमाचार सुनाया।

8) इस पर खोजे ने फिलिप्पुस से पूछा? --> तब फिलिप्पुस ने अपना मुँह खोला, और इसी शास्त्र से आरम्भ करके उसे यीशु का सुसमाचार सुनाया.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यह एक ईमानदार प्रश्न है, जिसे एक ऐसे व्यक्ति ने ज़ोर से पूछा जिसने पहले कभी इसका उत्तर नहीं सुना था। प्रश्न यह है: भविष्यद्वक्ता किसके बारे में बात कर रहा है? उत्तर फिलिप्पुस की निजी राय नहीं है। फिलिप्पुस ने यशायाह 53 की उसी आयत से शुरुआत की। फिलिप्पुस ने उस आयत से यीशु का प्रचार किया। यशायाह 53 के बारे में प्रेरितों की अपनी समझ हमारे लिए लिखी गई है। यशायाह 53 के बारे में प्रेरितों की समझ के विषय में किसी को अनुमान लगाने की आवश्यकता नहीं है।)

E. इम्मानुएल — परमेश्वर हमारे साथ, बालक जो जन्मा और पुत्र जो दिया गया

E1. **यशायाह 7:14** इस कारण प्रभु आप ही तुम को एक चिन्ह देगा। सुनो, एक कुमारी गर्भवती होगी और पुत्र जनेगी, और उसका नाम इम्मानुएल रखेगी। (मत्ती 1:23, लूका 1:31) **[H6005 Immanuwel ⚑] [H5959 almah ⚑]**

इस कारण प्रभु आप ही तुम को एक चिन्ह देगा। सुनो --> एक कुमारी गर्भवती होगी और पुत्र जनेगी, और उसका नाम इम्मानुएल रखेगी। (मत्ती 1:23, लूका 1:31.

E2. **यशायाह 9:6** क्योंकि हमारे लिये एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया है; और प्रभुता उसके काँधे पर होगी, और उसका नाम अद्भुत युक्ति करनेवाला पराक्रमी परमेश्वर, अनन्तकाल का पिता, और शान्ति का राजकुमार रखा जाएगा। (यूह. 1:45, इफि. 2:14) **[H6382 pele ⚑]** (7) उसकी प्रभुता सर्वदा बढ़ती रहेगी, और उसकी शान्ति का अन्त न होगा, इसलिए वह उसको दाऊद की राजगद्दी पर इस समय से लेकर सर्वदा के लिये न्याय और धर्म के द्वारा स्थिर किए ओर सम्भाले रहेगा। सेनाओं के और यहोवा की धुन के द्वारा यह हो जाएगा। (लूका 1:32,33, यिर्म. 23:5)

एक बालक हमारे लिये जन्मा + एक पुत्र हमें दिया गया --> उसका नाम पराक्रमी परमेश्वर, सनातन पिता कहलाएगा --> उसके राज्य की वृद्धि की कोई सीमा न होगी।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यशायाह 9:6 में दो क्रियाओं के क्रम को देखें। ये दोनों क्रियाएँ एक जैसी नहीं हैं। ये दोनों क्रियाएँ संयोगवश उस क्रम में नहीं हैं। एक बालक जन्मा है। एक पुत्र दिया गया है। जन्मना यह वर्णन करता है कि बालक संसार में कैसे आया। दिया जाना यह वर्णन करता है कि पहले से विद्यमान पुत्र के साथ क्या हुआ। अब इस बालक को दिए गए नामों पर विचार करें। यशायाह 9:6 यह नहीं कहता कि बालक पराक्रमी परमेश्वर के समान होगा। यशायाह 9:6 कहता है, "उसका नाम पराक्रमी परमेश्वर पुकारा जाएगा।" सूची का पहला नाम, अद्भुत, पेले (H6382) है। पेले उसी मूल से जुड़ा है जो न्यायियों 13 में मानोह को मिले उत्तर से है, जब उसने एक नाम माँगा और उसे नहीं पा सका। यशायाह 9:6 में, वह नाम दिया गया है।)

E3. **यशायाह 9:2** जो लोग अंधियारे में चल रहे थे उन्होंने बड़ा उजियाला देखा; और जो लोग घोर अंधकार से भरे हुए मृत्यु के देश में रहते थे, उन पर ज्योति चमकी। (मत्ती 4:15,16, लूका 1:79)

जो लोग अंधियारे में चल रहे थे उन्होंने बड़ा उजियाला देखा.

च. स्त्री का वंश और कुंवारी — पहली प्रतिज्ञा और उसकी पूर्ति

F1. **उत्पत्ति 3:15** और मैं तेरे और इस स्त्री के बीच में, और तेरे वंश और इसके वंश के बीच में बैर उत्पन्न करूँगा, वह तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू उसकी एड़ी को डसेगा।”

तेरे वंश और उसके वंश के बीच --> वह तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू उसकी कली को कुचलेगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: परमेश्वर ने उत्पत्ति 3:15 सर्प से उस समय कहा था जब पाप संसार में प्रवेश कर रहा था। उत्पत्ति 3:15 पूरी बाइबल में एक उद्धारकर्ता की पहली प्रतिज्ञा है। ध्यान दें कि इस पद में किसका वंश नामित किया गया है। शेष पवित्रशास्त्र में, वंशावली पुरुषों के माध्यम से खोजी जाती है। उदाहरण के लिए अब्राहम का वंश और दाऊद का वंश। यहाँ, केवल एक बार, बिल्कुल आरंभ में, जो वंश नामित किया गया है वह स्त्री का वंश है। इस पद में दो घावों पर भी ध्यान दें, जो एक समान आकार के नहीं हैं। स्त्री के वंश की एड़ी कुचली जाएगी। सर्प का सिर कुचला जाएगा।)

F2. **गलातियों 4:4** परन्तु जब समय पूरा हुआ, तो परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा, जो स्त्री से जन्मा, और व्यवस्था के अधीन उत्पन्न हुआ। (5) ताकि व्यवस्था के अधीनों को मोल लेकर छुड़ा ले, और हमको लेपालक होने का पद मिले।

तो परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा, जो स्त्री से जन्मा --> ताकि व्यवस्था के अधीनों को मोल लेकर छुड़ा ले.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: गलातियों 4:4 कहता है कि परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा। गलातियों 4:4 फिर कहता है कि पुत्र स्त्री से जन्मा। भेजे जाने का उल्लेख वाक्य में पहले किया गया है। जन्म का उल्लेख वाक्य में दूसरे स्थान पर किया गया है। यह क्रम महत्व रखता है। किसी व्यक्ति को किसी स्थान से भेजा नहीं जा सकता जब तक कि वह व्यक्ति पहले से ही उस स्थान में अस्तित्व में न रहा हो।)

भिन्न दृष्टिकोण, वही दृश्य — प्रतिज्ञा किया गया चिन्ह, और दिया गया चिन्ह

यशायाह 7:14 इस कारण प्रभु आप ही तुम को एक चिन्ह देगा। सुनो, एक कुमारी गर्भवती होगी और पुत्र जनेगी, और उसका नाम इम्मानुएल रखेगी। (मत्ती 1:23, लूका 1:31)

एक कुमारी गर्भवती होगी और पुत्र जनेगी, और उसका नाम इम्मानुएल रखेगी। (मत्ती 1:23, लूका 1:31.

मत्ती 1:18 अब यीशु मसीह का जन्म इस प्रकार से हुआ, कि जब उसकी माता मरियम की मंगनी यूसुफ के साथ हो गई, तो उनके इकट्ठे होने के पहले से वह पवित्र आत्मा की ओर से गर्भवती पाई गई। (19) अतः उसके पति यूसुफ ने जो धर्मी था और उसे बदनाम करना नहीं चाहता था, उसे चुपके से त्याग देने की मनसा की। (20) जब वह इन बातों की सोच ही में था तो परमेश्वर का स्वर्गदूत उसे स्वप्न में दिखाई देकर कहने लगा, “हे यूसुफ! दाऊद की सन्तान, तू अपनी पत्नी मरियम को अपने यहाँ ले आने से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है। (21) वह पुत्र जनेगी और तू उसका नाम यीशु रखना, क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।” (22) यह सब कुछ इसलिए हुआ कि जो वचन प्रभु ने भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा था, वह पूरा हो (यशा. 7:14) (23) “देखो, एक कुँवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र जनेगी, और उसका नाम इम्मानुएल रखा जाएगा,” जिसका अर्थ है - परमेश्वर हमारे साथ।

तू उसका नाम यीशु रखना: क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा --> वे उसका नाम इम्मानुएल रखेंगे, जिसका अर्थ है, परमेश्वर हमारे साथ।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: दोनों वृत्तांतों के बीच का अंतर ही शिक्षा है। यशायाह 7:14 कहता है कि वह बालक का नाम इम्मानुएल रखेगी। मत्ती 1:23 कहता है कि वे बालक का नाम इम्मानुएल रखेंगे। यशायाह के वृत्तांत में एक माँ अपने बच्चे का नाम रखती है। मत्ती के वृत्तांत में सब लोग यीशु का नाम रखते हैं। मत्ती एक और काम भी करता है जिसे किसी पाठक को अनुमान नहीं लगाना पड़ता। मत्ती रुककर, मत्ती के सुसमाचार के पाठ के भीतर ही, पाठक के लिए उस नाम का अनुवाद करता है। किसी भी सदी का कोई

पाठक इम्मानुएल नाम का अर्थ चूक नहीं सकता। इम्मानुएल का अर्थ है परमेश्वर हमारे साथ। मत्ती यह भी नहीं कहता कि यीशु के जन्म ने मत्ती को केवल यशायाह को भविष्यवाणी की याद दिलाई। मत्ती कहता है कि यह सब इसलिए किया गया ताकि यशायाह की भविष्यवाणी पूरी हो सके।)

F3. लूका 1:31 और देख, तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा; तू उसका नाम यीशु रखना। (यशा. 7:14) (32) वह महान होगा; और परमप्रधान का पुत्र कहलाएगा; और प्रभु परमेश्वर उसके पिता दाऊद का सिंहासन उसको देगा। (भज. 132:11, यशा. 9:6-7) (33) और वह याकूब के घराने पर सदा राज्य करेगा; और उसके राज्य का अन्त न होगा।" (2 शमू. 7:12,16, इब्रा. 1:8, दानि. 2:44) (34) मरियम ने स्वर्गदूत से कहा, "यह कैसे होगा? मैं तो पुरुष को जानती ही नहीं।" (35) स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, "पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी; इसलिए वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।

यह कैसे होगा, जब मैं पुरूष को जानती ही नहीं? --> वह पवित्र जो तुझ से उत्पन्न होनेवाला है परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: लूका 1:34 में मरियम का प्रश्न एक विवेकपूर्ण प्रश्न है। लोग आज भी वही प्रश्न पूछते हैं जो मरियम ने पूछा था। मरियम को दिया गया उत्तर कोई तर्क नहीं है। मरियम को दिया गया उत्तर इस बात की घोषणा है कि परमेश्वर क्या करने वाला है। लूका 1:32 में नामित सिंहासन पर ध्यान दें: "उसके पिता दाऊद का सिंहासन।" यह वही सिंहासन है जिस पर यशायाह 9:7 ने कहा था कि वह बालक विराजमान होगा। यह वही राजवंश है जिसके विषय में भजन संहिता 110 लिखा गया था।)

G. वचन देहधारी हुआ — और एक व्यक्ति वास्तव में उसे कैसे पाता है

G1. यूहन्ना 1:1 आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। **[G3056 logos ⚑]** (2) यही आदि में परमेश्वर के साथ था। (3) सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ और जो कुछ उत्पन्न हुआ है, उसमें से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न न हुई। (4) उसमें जीवन था; और वह जीवन मनुष्यों की ज्योति था।

आदि में वचन था + वचन परमेश्वर के साथ था + वचन परमेश्वर था --> सब वस्तुएं उसी के द्वारा बनाई गईं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यूहन्ना 1:1 एक ही पंक्ति में तीन कथन देता है। तीनों कथनों में से हर एक आवश्यक है। पहला कथन है "वचन आदि में था।" वचन, मानव शरीर धारण करने से पहले परमेश्वर के पुत्र के लिए एक उपाधि, का कोई आरंभ बिंदु नहीं था। दूसरा कथन है "वचन परमेश्वर के साथ था।" वचन केवल परमेश्वर पिता का एक और नाम नहीं है, क्योंकि कोई व्यक्ति स्वयं के साथ नहीं हो सकता। तीसरा कथन है "वचन परमेश्वर था।" वचन परमेश्वर के बराबर खड़ा कोई निम्न प्राणी नहीं है। इन तीनों में से किसी एक कथन को हटा देने से एक ऐसा वाक्य बनता है जो यूहन्ना द्वारा लिखे गए वाक्य से भिन्न है।)

G2. यूहन्ना 1:14 और वचन देहधारी हुआ; और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया, और हमने उसकी ऐसी महिमा देखी, जैसी पिता के एकलौते की महिमा। (1 यूह. 4:9) **[G4637 skenoo ⚑]**

वचन देहधारी हुआ + हमारे बीच में डेरा किया --> हम ने उसकी महिमा ऐसी देखी जैसी पिता के एकलौते की महिमा।

भिन्न दृष्टिकोण, वही दृश्य — जंगल में तंबू, और शरीर का तंबू

निर्गमन 25:8 और वे मेरे लिये एक पवित्रस्थान बनाएँ, कि मैं उनके बीच निवास करूँ ।

और वे मेरे लिये एक पवित्रस्थान बनाएँ --> कि मैं उनके बीच निवास करूँ.

यूहन्ना 1:14 और वचन देहधारी हुआ; और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया, और हमने उसकी ऐसी महिमा देखी, जैसी पिता के एकलौते की महिमा। (1 यूह. 4:9)

वचन देहधारी हुआ + हमारे बीच में रहा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यूहन्ना 1:14 में "वास किया" के लिए यूहन्ना जिस यूनानी शब्द का उपयोग करता है वह है स्केनू (G4637)। स्केनू का अर्थ है तम्बू खड़ा करना और उस तम्बू में रहना। प्राचीन काल में, परमेश्वर ने इस्राएल के लोगों से कहा कि वे एक तम्बू बनाएं ताकि परमेश्वर इस्राएल के लोगों के बीच रह सके। इस्राएल के लोगों ने वह तम्बू खालों, लकड़ी और सोने से बनाया (निर्गमन 25:8)। यूहन्ना 1:14 में, वही चित्र फिर से लौटता है, परन्तु तम्बू अब एक मानवीय शरीर है। जंगल में वह तम्बू उस सत्य का प्रारंभिक चित्र था जिसे यूहन्ना वर्णन करता है। जंगल का वह तम्बू यीशु मसीह के शरीर की ओर संकेत करता था। नया नियम जंगल के तम्बू को एक छाया, एक ऐसा चित्र जो यीशु मसीह की ओर संकेत करता है, तभी पहचानता है जब नया नियम यह प्रकट कर देता है कि वह छाया किस ओर संकेत कर रही थी। यूहन्ना यीशु मसीह के शरीर के बारे में यह सत्य यूहन्ना 1:14 में स्पष्ट रूप से बताता है।)

G3. कुलुस्सियों 1:15 पुत्र तो अदृश्य परमेश्वर का प्रतिरूप और सारी सृष्टि में पहलौठा है। (16) क्योंकि उसी में सारी वस्तुओं की सृष्टि हुई, स्वर्ग की हो अथवा पृथ्वी की, देखी या अनदेखी, क्या सिंहासन, क्या प्रभुताएँ, क्या प्रधानताएँ, क्या अधिकार, सारी वस्तुएँ उसी के द्वारा और उसी के लिये सृजी गई हैं। (17) और वही सब वस्तुओं में प्रथम है, और सब वस्तुएँ उसी में स्थिर रहती हैं। (प्रका. 1:8)

उसी में सब वस्तुएं सृजी गईं + वह सब वस्तुओं से पहले है --> उसी में सब वस्तुएं स्थिर रहती हैं।

G4. कुलुस्सियों 2:9 क्योंकि उसमें ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है। (10) और तुम मसीह में भरपूर हो गए हो जो सारी प्रधानता और अधिकार का शिरोमणि है।

उसी में ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता शरीर रूप में वास करती है --> तुम उसी में परिपूर्ण हो।

G5. आप उसे कैसे पाएं — उसने हमें बताया कि कहाँ देखना है

यूहन्ना 5:39 तुम पवित्रशास्त्र में ढूँढ़ते हो, क्योंकि समझते हो कि उसमें अनन्त जीवन तुम्हें मिलता है, और यह वही है, जो मेरी गवाही देता है; (40) फिर भी तुम जीवन पाने के लिये मेरे पास आना नहीं चाहते।

तुम पवित्रशास्त्र में ढूँढ़ते हो --> और यह वही है, जो मेरी गवाही देता है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यीशु ने यह बात यूहन्ना 5:39-40 में उन लोगों से कही जो उस समय जीवित किसी भी व्यक्ति से बेहतर पवित्रशास्त्र को जानते थे। ये लोग पवित्रशास्त्र को कंठस्थ सुना सकते थे। यीशु ने इन लोगों से कहा कि पवित्रशास्त्र का पूरा भाग जिसे इन लोगों ने याद किया हुआ था, वह उसी की ओर इशारा कर रहा था। यीशु ने इन लोगों से कहा कि फिर भी ये लोग जीवन पाने के लिए उसके पास नहीं आएँगे। पवित्रशास्त्र के शब्दों को जानना उस व्यक्ति को जानने के समान नहीं है जिसके बारे में वे शब्द हैं। जीवन के लिए खोजने का कोई और स्थान नहीं है। यीशु ने यह नहीं कहा कि अपनी भावनाओं को टटोलो। यीशु ने कहा कि पवित्रशास्त्र को खोजो।)

G6. लूका 24:25 तब उसने उनसे कहा, “हे निर्बुद्धियों, और भविष्यद्वक्ताओं की सब बातों पर विश्वास करने में मन्दमतियों! (26) क्या अवश्य न था, कि मसीह ये दुःख उठाकर अपनी महिमा में प्रवेश करे?” (27) तब उसने मूसा से और सब भविष्यद्वक्ताओं से आरम्भ करके सारे पवित्रशास्त्रों में से, अपने विषय में की बातों का अर्थ, उन्हें समझा दिया। (यूह. 1:45, लूका 24:44, व्यव. 18:15)

मूसा से और सारे भविष्यद्वक्ताओं से आरम्भ करके --> उसने सारे पवित्रशास्त्र में अपने विषय की बातें समझाईं।

G7. लूका 24:32 उन्होंने आपस में कहा, “जब वह मार्ग में हम से बातें करता था, और पवित्रशास्त्र का अर्थ हमें समझाता था, तो क्या हमारे मन में उत्तेजना न उत्पन्न हुई?”

क्या मार्ग में, जब उस ने हमारे लिये पवित्रशास्त्र खोला, हमारा मन हमारे भीतर जल नहीं रहा था?

G8. लूका 24:44 फिर उसने उनसे कहा, “ये मेरी वे बातें हैं, जो मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए, तुम से कही थीं, कि अवश्य है, कि जितनी बातें मूसा की व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं और भजनों की पुस्तकों में, मेरे विषय में लिखी हैं, सब पूरी हों।” (45) तब उसने पवित्रशास्त्र समझने के लिये उनकी समझ खोल दी।

जो कुछ मूसा की व्यवस्था, भविष्यद्वक्ताओं, और भजनसंहिता में मेरे विषय में लिखा है, उसका पूरा होना अवश्य है --> तब उस ने उनकी समझ खोल दी।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: लूका 24:44-45 उस प्रश्न का उत्तर देता है जो यह पूरा अध्ययन पूछ रहा है। यह उत्तर यीशु के मुख से आता है, यीशु के कब्र से जी उठने के बाद। यीशु ने पुराने नियम के तीन भागों का नाम लिया: मूसा की व्यवस्था, भविष्यवक्ता, और भजन। ये तीन भाग मिलकर पूरा पुराना नियम बनाते हैं। यीशु ने कहा कि पूरे पुराने नियम में उसके बारे में बातें थीं। यीशु ने यह नहीं कहा कि केवल पुराने नियम के कुछ भाग में ही उसके बारे में बातें थीं। इसके बाद यीशु ने चेलों के लिए दो अलग-अलग काम किए। यीशु ने चेलों के लिए पवित्रशास्त्र खोले। यीशु ने चेलों की समझ खोली। एक व्यक्ति को इन दोनों चीज़ों की आवश्यकता होती है। एक व्यक्ति पूरी बाइबल अपने हाथों में रख सकता है और फिर भी उसे यीशु की आवश्यकता होती है कि वह उसकी आँखें खोले ताकि वह बाइबल में यीशु को देख सके। बाइबल पढ़ो। यीशु से माँगो कि वह बाइबल को तुम्हारे लिए खोले। बाइबल पढ़ते रहो।)

समापन

G9. 1 यूहन्ना 1:1 उस जीवन के वचन के विषय में जो आदि से था, जिसे हमने सुना, और जिसे अपनी आँखों से देखा, वरन् जिसे हमने ध्यान से देखा और हाथों से छुआ। (2) (यह जीवन प्रगट हुआ, और हमने उसे देखा, और उसकी गवाही देते हैं, और तुम्हें उस अनन्त जीवन का समाचार देते हैं जो पिता के साथ था और हम पर प्रगट हुआ)। (3) जो कुछ हमने देखा और सुना है उसका समाचार तुम्हें भी देते हैं, इसलिए कि तुम भी हमारे साथ सहभागी हो; और हमारी यह सहभागिता पिता के साथ, और उसके पुत्र यीशु मसीह के साथ है।

सुना + अपनी आँखों से देखा + ध्यान से देखा + अपने हाथों से छुआ --> उस अनन्त जीवन को, जो पिता के साथ था, और हम पर प्रगट हुआ।

(मेरे व्यक्तिगत विचार: यूहन्ना जानबूझकर 1 यूहन्ना 1:1 में इंद्रियों को सूचीबद्ध करता है: सुना, देखा, ध्यान से निहारा, और अपने हाथों से छुआ। यूहन्ना किसी भावना या विचार का वर्णन नहीं कर रहा है। यूहन्ना उस व्यक्ति का वर्णन कर रहा है जिसके साथ उसने भोजन किया था। उसी वाक्य में, यूहन्ना उस व्यक्ति को "वह अनन्त जीवन, जो पिता के साथ था" कहता है। जिस व्यक्ति को प्रेरितों ने अपने हाथों से छुआ, वही व्यक्ति है जो आदि से पहले पिता के साथ था। यही 1 यूहन्ना 1:1-3 का संपूर्ण दावा है। यूहन्ना कहता है कि वह इस दावे का गवाह है, इस दावे के बारे में सिद्धांतवादी नहीं है।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. यशायाह 7:14 — देखो, एक कुँवारी गर्भवती होगी, और पुत्र को जनेगी:
a) और तू उसका नाम यीशु रखना
b) और उसका नाम इम्मानुएल रखेगी
c) और वे उसका नाम इम्मानुएल रखेंगे

2. यशायाह 53:3 — वह मनुष्यों में तुच्छ जाना गया और त्यागा गया:
a) तौभी उसने अपना मुंह न खोला
b) और उसके घावों से हम चंगे हुए
c) दुखी पुरुष, और शोक से परिचित

3. यशायाह 53:6 — हम सब भेड़ों के समान भटक गए हैं; हम में से हर एक ने अपने ही मार्ग की ओर मुंह किया है:
a) और यहोवा ने हम सब के अधर्म का भार उस पर रखा
b) और उसने बहुतों के पाप उठा लिये
c) तौभी हमने उसे परमेश्वर का मारा हुआ, ताड़ना दिया हुआ समझा

4. मीका 5:2 — तौभी तुझ में से मेरे लिये एक ऐसा पुरुष निकलेगा, जो इस्राएल पर प्रभुता करेगा:

a) और उसके राज्य का अन्त न होगा
b) दाऊद के सिंहासन पर, और उसके राज्य पर
c) जिसका निकलना प्राचीन काल से, अनादि काल से हुआ है

5. गलातियों 4:4 — परन्तु जब समय पूरा हो गया:
a) परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा, जो स्त्री से उत्पन्न हुआ
b) पवित्र आत्मा तुझ पर आएगा
c) वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाएगा

6. यूहन्ना 1:14 — और वह वचन देहधारी हुआ:
a) और वह वचन परमेश्वर के साथ था
b) और हमारे बीच निवास किया
c) और उसके बिना कुछ भी नहीं बना

7. यूहन्ना 5:39 — तुम पवित्र शास्त्र में ढूंढ़ते हो, क्योंकि समझते हो कि उन में अनन्त जीवन तुम्हें मिलता है:
a) और उस जीवन में मनुष्यों की ज्योति थी
b) और वे ही मेरे बारे में गवाही देते हैं
c) जब उसने हमारे लिए पवित्रशास्त्र खोला

उत्तर कुंजी: 1-b, 2-c, 3-a, 4-c, 5-a, 6-b, 7-b

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

--> अलग विषय: उत्पत्ति 3:15, स्त्री का वंश, प्रतिज्ञा किए गए वंश की पूरी कड़ी को खोलता है। यह कड़ी अब्राहम (उत्पत्ति 22:18), दाऊद (भजन संहिता 132:11) से होकर गुजरती है, और गलातियों 3:16 में स्पष्ट रूप से नामित की गई है।

ग्रीक मुख्य शब्द

“वचन” — **G3056 logos** — एक शब्द; एक कथन; कही गई बात; विचार की अभिव्यक्ति
यूहन्ना यूहन्ना के सुसमाचार का आरम्भ किसी जन्म से नहीं करता। यूहन्ना यूहन्ना के सुसमाचार का आरम्भ आरम्भ से पहले से करता है।

“निवास किया” — **G4637 skenoo** — तंबू गाड़ना; डेरा डालना; तंबू में रहना
"वचन देहधारी हुआ, और हमारे बीच में डेरा किया।" यह पद परमेश्वर के मानव शरीर में रहने का वर्णन करता है, जैसे कोई व्यक्ति तम्बू में रहता है।

हिब्रू मुख्य शब्द

“अद्भुत” — **H6382 pele** — एक आश्चर्य; एक अद्भुत बात; समझ से परे कुछ
पेले वह पहला नाम है जो यशायाह 9:6 में उस बालक को दिया गया है।

“कुँवारी” — **H5959 almah** — एक अविवाहित युवती; एक कुँवारी; एक कन्या
अल्माह वह शब्द है जो यशायाह 7:14 में प्रयोग किया गया है।

“इम्मानूएल” — **H6005 Immanuwel** — हमारे साथ परमेश्वर है
इम्मानुएल एक ऐसा नाम है जो स्वयं एक पूरा वाक्य है। मत्ती इस नाम का अनुवाद पाठक के लिए करता है।

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.
Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).
Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).
Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).
© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).